LOK SABHA SPEAKER RELEASES COFFEE TABLE BOOK "PARLIAMENT ART" SHOWCASING UNIQUE ART AND SCULPTURE IN PARLIAMENT HOUSE/लोक सभा अध्यक्ष ने संसद भवन में मौजूद अद्वितीय कला और मूर्तिकला का परिचय देने वाली कॉफी टेबल बुक "पार्लियामेंट आर्ट" का विमोचन किया

…

New Delhi; 6 March, 2024: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla released a coffee table book titled "Parliament Art" showcasing unique art and sculpture in Parliament House (New Building of Parliament), today.

The coffee table book has been brought out by the Indira Gandhi National Centre for the Arts under the aegis of the Ministry of Culture, Government of India.

On this occasion, commending the efforts of IGNCA, Lok Sabha Speaker Shri Om Birla lauded the organization for their invaluable contribution in making the new Parliament House a unique microcosm reflecting the diversity and universal appeal of the Indian culture. The arts, artifacts, and sculptures curated by IGNCA beautifully encapsulate the essence of the nation, reflecting its unique diversities while maintaining a distinct Indianness, observed Shri Birla. He also elaborated on how various aspects of ancient Indian democracy, alongside modern democratic instruments such as elections, are prominently featured in the building's design.

Member Secretary, IGNCA, Dr Sachitanand Joshi, and Project Coordinator, Smt Priyanka Mishra, among others were present on the occasion.

नई दिल्ली; 6 मार्च, 2024: लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज संसद भवन (संसद की नई इमारत) में मौजूद अद्वितीय कला और मूर्तिकला का परिचय देने वाली कॉफी टेबल बुक "पार्लियामेंट आर्ट" का विमोचन किया।

इस कॉफी टेबल बुक का प्रकाशन भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) द्वारा किया गया है।

इस अवसर पर, आईजीएनसीए के प्रयासों की सराहना करते हुए, लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने संसद के नए भवन को भारतीय संस्कृति की विविधता को प्रतिबिंबित करने वाला एक अद्वितीय भवन बनाने में इस संगठन के अमूल्य योगदान की सराहना की। श्री बिरला ने कहा कि आईजीएनसीए द्वारा उपलब्ध कराई गई कलाकृतियों और मूर्तियों में हमारे देश की आत्मा बसी है और इनके माध्यम से एक विशिष्ट भारतीयता को बनाए रखते हुए देश की अनूठी विविधता को दर्शाया गया है। उन्होंने इस बात का उल्लेख भी किया कि भवन के डिजाइन में प्राचीन भारतीय लोकतंत्र के विभिन्न पहलुओं के साथ ही निर्वाचन जैसे आधुनिक लोकतांत्रिक साधनों को प्रमुखता से दर्शाया गया है।

इस अवसर पर आईजीएनसीए के सदस्य सचिव, डॉ. सच्चिदानंद जोशी और परियोजना समन्वयकर्ता, श्रीमती प्रियंका मिश्रा सहित अन्य विशिष्टजन भी उपस्थित थे।